ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-01-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-22	2025-01-23	2025-01-24	2025-01-25	2025-01-26
वर्षा (मिमी)	0.0	1.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	23.0	20.0	22.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	8.0	8.0	5.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	85	90	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	75	70	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	5	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	350	330	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	3	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (14 से 20 जनवरी) में 1.4 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0-24.5 और 5.0-10.8oC के बीच रहा। अधिकांश दिनों में सुबह के समय कोहरा देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 90-100% और 41-89% के बीच रही। हवा की गति मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-उत्तर-पूर्व, पूर्व, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली और 5-6 किमी प्रति घंटे के बीच थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 20.0-24.0oC और 5-8oC के बीच रह सकता है और 1 मिमी की हल्की बूंदाबांदी की सम्भावना है। हवा की गति उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-उत्तर दिशा से 5-6 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। 22 जनवरी को अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है तथा 23 जनवरी से कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर मध्यम से घने कोहरे को लेकर पीली चेतावनी जारी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। 17-23 जनवरी तक विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली से कम वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति का संकेत मिलता है ।

लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की बूंदाबांदी की उम्मीद है, इसलिए खेती के कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। चना/मसूर में, माहू कीट हमले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
रेपसीड	देर से बुवाई के मामले में तोरिया की कटाई परिपक्वता पर की जानी चाहिए, जबकि सरसों (राई) के मामले में फूल आने और फली बनने पर सिंचाई की जानी चाहिए। कीट और रोग के आक्रमण के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में मैंकोजेब 75% 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए और सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग का उपचार मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है। हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
सरसों	देर से बुवाई के मामले में तोरिया की कटाई परिपक्वता पर की जानी चाहिए, जबकि सरसों (राई) के मामले में फूल आने और फली बनने पर सिंचाई की जानी चाहिए। कीट और रोग के आक्रमण के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में मैंकोजेब 75% 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए और सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग का उपचार मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है। हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
गेहूँ	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने की स्थिति में हाथ से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए या आवश्यकतानुसार सिंचाई के साथ-साथ निर्धारित रसायन का प्रयोग करना चाहिए। जिंक की कमी होने पर फसल पर जिंक सल्फेट का निर्धारित मात्रा में छिड़काव करना चाहिए तथा रोगों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पीला रतुआ फैलने पर उचित उपाय किये जाने चाहिए। हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
जौ	देर से बोई गई फसल की निराई-गुड़ाई पर निगरानी रखनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की फसल की रोपाई पूरी कर लेनी चाहिए और हवा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
सब्जी पीईए	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मटर की फली या तने में सफेद रुई जैसी वृद्धि होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। हवा की स्थिति में किसी भी रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए।
टमाटर	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। हवा की स्थिति में किसी भी रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए।
मिर्च	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। हवा की स्थिति में किसी भी रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए।
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। हवा की स्थिति में किसी भी रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के अनुसार मुर्गियों को एफ़लाटोक्सिओसिस के लिए दवाई प्रशासित किया जाना चाहिए जो उनके चारे में फंगस के पनपने के कारण हो सकता है ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस क्षेत्र में ठंड की स्थिति और घने कोहरे की संभावना है, इसलिए युवा पौधों की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। मौसम अनुकूल है; अधिकांश फसलों में रोग लगने के कारण फसलों की सुरक्षा के लिए उचित छिड़काव करना चाहिए।